उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र, शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) का प्रधान कार्यालय गांधी नगर, गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई राज्यों में क्षेत्रीय एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित
- विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसीऔर आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी

दूरदर्शिता का ही परिणाम है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फामेर्सी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओ के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फामेर्सी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओ को फामेर्सी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेतत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उदेश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है।

यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आगेर्नाइजेशन है। ईडीआईआई को सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी में अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टिट्यूशन ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स (अफ्ाििक्ष) झ 2021 द्वारा संस्थानों की रैंकिंग के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र, शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में

अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओ के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओ को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

उद्यमी बनेंगे गोरखनाथ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट

महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के बीच एमओयू

FILE PHOTO

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 April): पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया. शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा. उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा. इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हुआ.

दूरदर्शिता का है परिणाम

इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं. इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के ऊत्रयन और रोजगारपर कता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है. भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार संभावनाओ के प्रति जागरुक व उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है. ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता के लिए सहयोग करेगा. जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सके.

एमओयू की उपयोगिता पर जोर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त)और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए. इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया.

हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुष के क्षेत्र में उद्यमिता को सहयोग करेगा संस्थान : डा. सुनील शुक्ल

स्टार्टअप के जरिये उद्यमी बन सकेंगे गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अब अपने विद्यार्थियों को उद्यमी भी बनाएगा। उन्हें स्टार्टअप के लिए मदद करेगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ करार किया है। शनिवार को विवि परिसर में इस करारनामे पर दोनों ओर से हस्ताक्षर किया गया।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और उद्यमिता विकास संस्थान की ओर से महानिदेशक डा. सुनील शुक्ल ने करारनामे पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर डा. वाजपेयी ने इस करार के बाद विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप के लिए विशेषज्ञों से बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। डा. सुनील शुक्ल ने कहा कि यह समझौता निश्चित रूप से पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे।

डा. शुक्ल ने बताया कि नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने और छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप राव, उद्यमिता विकास संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी डा. अमित कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

उद्यमिता संस्थान के विषय में जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि वह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। संस्थान को सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी में अटल रैंकिंग आफ इंस्टिट्यूशन आन इनोवेशन अचीवमेंट्स-2021 द्वारा प्रथम स्थान दिया गया है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के बीच हुए करार के दौरान उपस्थित कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, संस्थान के निदेशक डा. सुनील शुक्ल, कुलसचिव डा. प्रदीप राव व अन्य ● जागरण

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

तिजारत संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू

का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी हैल्थकेयर पैरा मेडिकल आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओ के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर नर्सिंग फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्गदशन प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओ को फार्मेसी आयुष हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेतत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उदेश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है।इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ईडीआईआई अहमदाब्बाद में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ.अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) का प्रधान कार्यालय गांधी नगर गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई राज्यों में क्षेत्रीय एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं।जहां से राज्य की उद्यमिता की विभिन्न परियोजनाओ को संचालित किया जाता है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र, शुरु कर सकेंगे स्टार्टअप्स

*** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित***
विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

जनसंदेश टाइम्स

गोरखपुर । पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओ के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

गोरखनाथ विश्वविद्यालय और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

संदेश वाहक न्यूज

समझौता

- छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) का प्रधान कार्यालय गांधी नगर, गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई राज्यों में क्षेत्रीय एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं, जहां से राज्य की उद्यमिता की विभिन्न परियोजनाओं को संचालित किया जाता है। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है। ईडीआईआई को सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी में अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टिट्यूशन ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स 2021 द्वारा संस्थानों की रैंकिंग के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

छोटे नवाचारों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. सुनील शुक्ला

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय भूतपूर्व छात्र सम्मेलन के अन्तर्गत आज शाम विश्वविद्यालय के कमेटी हाल में एक 'शिक्षा-उद्योग बैठक' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व प्रसिद्ध भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के निदेशक डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने संबोधित किया। उन्होंने अकादमिक-उद्योग-सरकार सहयोग के ट्रिपल हेलिक्स मॉडल को समझाया। उन्होंने प्रयोगशाला और उद्योग के बीच संबंधों पर जोर दिया। छोटे नवाचारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

शिक्षक उद्योग बैठक

उन्होंने हर्बल सुगंधित औद्योगिक संयंत्रों, हाइड्रोपोनिक्स, यूनिकर्न, सूनीकोर्न, डेकाकोर्न, अटल सामाजिक नवाचार इनक्यूबेशन मिशन योजना, प्रोटोटाइप विकास और निर्देशन के उदाहरणों का उल्लेख किया। स्टार्ट अप डे अब हर साल 16 जनवरी को मनाया जाता है। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में 15 स्टार्ट अप के साथ इनक्यूबेशन केंद्र शुरू किया गया है।

उन्होंने गोरखपुर में ईडीआई के टेराकोटा प्रयासों का भी उल्लेख किया। केला फाइबर और अन्य उत्पाद ओडीओपी के लिए महत्वपूर्ण हैं। ओडीओपी के तहत गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट्स दूसरा उत्पाद है। उन्होंने प्लग एंड प्ले मॉडल पर भी जोर दिया। एसपी दुबे, अनु सिंह, नीलम पांडे, गंगाराम चौहान, कल्याणी कीर्ति, राजन जी टेराकोटा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता ने संवाद सत्र में भाग लिया। अतुल सराफ विशिष्ट अतिथि थे। अधिवेशन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने की। डॉ. सुमन कन्नौजिया ने सत्र का समापन किया। समन्वयक प्रो संजय बैजल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो आरपी सिंह ने सत्र का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में चालीस उद्यमियों के साथ प्रोफेसर अवधेश तिवारी, श्रीवर्धन पाठक, सुश्री मनीषा सिंह, पारुल, अंशिका मिश्रा, आनन्दवर्धन व भरत कुमार ने भी प्रतिभाग किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि व अहमदाबाद के ईडीआईआई के बीच एमओयू साइन

मेडिकल छात्रों को अब मिलेंगे ढेरों विकल्प

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। एक जमाना था जब किसी भी अच्छे छात्र के सामने डॉक्टर, इंजीनियर, सिविल सेवा जैसे कुछ चुनिंदा विकल्प ही होते थे लेकिन बदलते वक्त के साथ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बदलाव की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। शनिवार को विवि ने अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के साथ एक एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन किया जो छात्रों के सामने ढेरों विकल्प खोलेगा।

दरअसल, देश के विभिन्न उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों के साथ जुड़कर ईडीआईआई ह्यस्टार्ट अपह्न को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में ईडीआईआई ने पिछले साल गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ भी एमओयू साइन किया था। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरा मेडिकल और आयुर्वेद के क्षेत्र में परम्परागत से अलग हटकर नई संभावनाओं की तलाश और उन पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इससे डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले इस विश्वविद्यालय के छात्रों के पास प्रैक्टिस के अलावा अपना खुद का स्टार्ट अप शुरू करने का भी विकल्प होगा।

ईडीआईआई की खासियत: ईडीआईआई का प्रधान कार्यालय गुजरात के गांधीनगर में है। इस संस्थान ने देश के कई राज्यों में क्षेत्रीय और परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं। इस संस्थान को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। ईडीआईआई शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है।

शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विवि ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एक एमओयू साइन किया, जो छात्रों के लिए ढेरों विकल्प खोलेगा। • हिन्दुस्तान

एमओयू के तहत कैसे मदद करेगा ईडीआईआई

ईडीआईआई, महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और की क्षेत्र में उद्यमिता में सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज में योगदान कर सकें। नवाचार और नवोन्मेष से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने से लेकर पढ़ने-पढ़ाने तक में दोनों संस्थाएं एक-दूसरे की मदद करेंगी। दोनों संस्थाएं एक-दूसरे के शिक्षकों को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में अपने यहां आमंत्रित कर सकेंगी।

सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे छात्र

महायोगी गोरखनाथ विवि की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर डॉ. वाजपेयी ने कहा कि इसे छात्रों को अलग-अलग क्षेत्रों में उद्यमितमा के अवसर मिलेंगे। छात्र पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बन सकेंगे। इस मौके पर महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डॉ.प्रदीप राव और ईडीआईआई अहमदाबाद में पालिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी मौजूद रहे।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

ईडीआईआई के महानिदेश डॉ.सुनील शुक्ल ने कहा कि दोनों संस्थानों के बीए एमओयू से पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर सहित अन्य कई क्षेत्रों में बेहतर अवसर मिलेंगे। छात्र स्वयं रोजगार सृजन करेंगे और अपने क्षेत्र के विकास में बड़ी भूमिका निभाएंगे। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ ईडीआईआई, देश के कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर काम कर रहा है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा।

शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सीएम एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डा. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस दौरान डा. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर डा. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओ को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उदेश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है। इस दौरा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पालिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डा. अमित कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते कुलपति अतुल वाजपेयी व डायरेक्टर जनरल प्रो. सुनील शुक्ल।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के मय एमओयू हस्ताक्षरित

छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी व आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

गोरखपुर, ३० अप्रैल। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओ के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी सेवानिवृत्त और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ.वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्गदशन प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओ को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेतत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ.अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई का प्रधान कार्यालय गांधी नगर,गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई राज्यों में क्षेत्रीय एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं, जहां से राज्य की उद्यमिता की विभिन्न परियोजनाओ को संचालित किया जाता है। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है। ईडीआईआई को सामान्य गैर-तकनीकी श्रेणी में अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टिट्यूशन ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स 2021 द्वारा संस्थानों की रैंकिंग के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

❑ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

❑ 'विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता के लिए सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र शुरु कर सकेंगे स्टार्टअप

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुआ अनुबंध

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगार परक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाते हुए स्टार्टअप में मददगार बनेगा।

इसके लिए शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ अनुबंध पर (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरामेडिकल, आयुर्वेद के

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ अनुबंध पर (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया। अमर उजाला

क्षेत्र में अपार संभावनाओं के प्रति जागरूक और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और ईडीआईआई की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्ग दर्शन प्राप्त कर सकेंगे। डॉ. सुनील ने कहा की यह अनुबंध पूर्वांचल के युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई में पॉलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे।